University of Rajasthan
Jaipur

SYLLABUS

M.A. Sanskrit

Annual Scheme

M.A. (Previous) Examination 2023
M.A. (Final) Examination 2024

Dy. Registrar
University of Rajasthan
JAIPUR

परीक्षा प्रणाली

एम.ए. संस्कृत (पूर्वार्द्ध) परीक्षा–

एम.ए. पूर्वार्द्ध की परीक्षा में चार प्रश्नपत्र होंगे। जिनमें से विद्यार्थी को चारों प्रश्नपत्र करने हैं। प्रथम प्रश्न पत्र में नियमित विधार्थी विकल्प का चयन कर सकते हैं। प्रत्येक का पूर्णांक 100 अंक का तथा समय की अवधि तीन घंटे निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20 प्रतिशत अंक के प्रश्न संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जायेंगे। चारों प्रश्नपत्र अनिवार्य हैं।

प्रथम प्रश्न–पत्र	वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान **(नियमित एंव स्वंयपाठी दोनो छात्रों के लिए)** **अथवा** ज्योतिषशास्त्र का इतिहास एवं फलित सिद्धान्त **(केवल नियमित छात्रों के लिए)**
द्वितीय प्रश्न–पत्र	ललित साहित्य तथा नाटक
तृतीय प्रश्न–पत्र	भारतीय दर्शन
चतुर्थ प्रश्न–पत्र	भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

एम. ए. संस्कृत (उत्तरार्द्ध) परीक्षा–

इस परीक्षा में पांच प्रश्न–पत्र होंगे। प्रस्तावित विषय वर्गों में से एक वर्ग का चयन करना होगा, जिसके तीन प्रश्नपत्र प्रतिवर्ग निर्धारित हैं। चतुर्थ एवं पंचम पत्र सभी वर्गों के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य हैं। सभी पत्रों का समय तीन घंटें की अवधि का रहेगा तथा सभी पत्र 100 अंक के निश्चित किये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न–पत्र मे 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु सुरक्षित है। पूर्वार्द्ध की परीक्षा में 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त नियमित परीक्षार्थी के लिए उत्तरार्द्ध के पंचम प्रश्न–पत्र के स्थान पर लघुशोध प्रबन्ध का विकल्प भी उपलब्ध है।

वर्ग 'अ' साहित्य

प्रथम पत्र	साहित्यशास्त्र
द्वितीय पत्र	नाटक तथा नाट्यशास्त्र
तृतीय पत्र	(i) गद्य, पद्य तथा चम्पू, अथवा (ii) कालिदास का विशिष्ट अध्ययन (iii) अथवा महाकवि भास का विशिष्ट अध्ययन (तीनो में से कोई एक)

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

वर्ग 'ब' वैदिक साहित्य

प्रथम पत्र	संहिता पाठ
द्वितीय पत्र	ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ
तृतीय पत्र	वैदिक धर्म, देवशास्त्र एवं वैदिकी प्रकिया

वर्ग 'स' दर्शनशास्त्र

प्रथम पत्र	न्याय और वैशेषिक दर्शन
द्वितीय पत्र	शैवागम, सांख्य दर्शन और दर्शनशास्त्र
तृतीय पत्र	वेदान्त, मीमांसा एवं अवैदिक दर्शन

वर्ग 'द' धर्मशास्त्र

प्रथम पत्र	सूत्र और धर्मशास्त्र का इतिहास
द्वितीय पत्र	स्मृति शास्त्र
तृतीय पत्र	निबन्ध साहित्य, व्यवहार एवं प्रायश्चित ज्ञान

वर्ग 'एफ' ज्योतिषशास्त्र

प्रथम पत्र	ज्योतिषविज्ञान, खगोल एवं ताजिकशास्त्र
द्वितीय पत्र	वास्तुविज्ञान एवं मुहूर्त
तृतीय पत्र	जन्मपत्र–निर्माण फलादेश के सिद्धान्त

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य

चतुर्थ पत्र	व्याकरण एवं निबन्ध
पंचम पत्र	प्राचीन साहित्य, अथवा आधुनिक संस्कृत साहित्य अथवा लघुशोधप्रबन्ध (**नियमित छात्रों के लिए)**

अवधेयम् –

1– प्रत्येक प्रश्नपत्र में निर्धारित पाठ्य विषयों अथवा ग्रन्थों के इतिहास,काव्यशास्त्रीय पक्ष, समालोचनात्मक तथ्य आदि से संबद्ध प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनसे परीक्षार्थी के तत्सम्बन्धी ज्ञान का परीक्षण हो सके।

2– प्रत्येक प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा, किन्तु परीक्षार्थी को यह छूट है कि वह उस प्रश्न विशेष के अतिरिक्त जिसका उत्तर परीक्षक ने संस्कृत में मांगा है, सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

Raj | Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम0ए0 (पूर्वार्द्ध) संस्कृत-

प्रथम पत्र – वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– ऋग्वेद निम्न सूक्तों का अध्ययन (अग्नि–1.12, इन्द्र– 2. 12, रुद्र–2.33, विष्णु–1.154, अक्ष–10.34, वरुण– 7 .86, वाक्–10.125, पुरुष–10.90, नासदीय–10.129, हिरण्यगर्भ– 10 .121)	30 अंक
2– यजुर्वेद (अध्याय 34) – शिवसंकल्पसूक्त–दो मंत्रों में से एक की व्याख्या	5 अंक
3 – अथर्ववेद (12.1) पृथिवी सूक्त (भूमि सूक्त) 1 से 18 मंत्र	10 अंक
4– निरुक्त–यास्क (प्रथम अध्याय)	25 अंक
5– भाषा विज्ञान – (रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त, उच्चारण स्थान, ध्वनियां, स्वर तथा व्यंजन, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि–नियम, भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ–परिवर्तन के कारण, संस्कृत ध्वनियों का विकास, संस्कृत और अवेस्ता, संस्कृत और पालि, संस्कृत और प्राकृत)।	30 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1–ऋग्वेद	ऋग्वेद के निर्धारित सूक्तों में से चार मंत्रों में से 2 मन्त्रों की व्याख्या जिनमें से एक हिन्दी में और एक संस्कृत में करनी होगी।	20 अंक (10+10)
	2– पदपाठ	4 अंक
	3– दो देवताओं में से एक देवता का स्वरूप	6 अंक
2–यजुर्वेद	यजुर्वेद, के निर्धारित भाग से 2 मन्त्रों में से 1 की व्याख्या।	5 अंक
3– अथर्ववेद	2 मन्त्रों में से 1 की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
4– निरुक्त	1) चार उद्धरणों में से दो की व्याख्या	15 अंक(7.5+7.5)
	2) आठ पदों में से चार पदों की निर्वचन	10 अंक (2.5X4)

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

5–भाषा विज्ञान	1) रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त दो में से एक प्रश्न करना होगा।	10 अंक
	2) उच्चारण स्थान, ध्वनियां, स्वर तथा व्यंजन, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम। दो में से एक प्रश्न।	10 अंक
	3) भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ परिवर्तन के कारण संस्कृत ध्वनियां, अवेस्ता, पालि और प्राकृत। दो में से एक प्रश्न।	10 अंक
	कुल योग	100अंक

सहायक पुस्तकें और संस्तुत पुस्तकें

क– वैदिक साहित्य

1–ऋक्सूक्त वैजयन्ती– डॉ. एच.डी. वेलनकर (पूना से प्रकाशित)
2–ऋक्सूक्त समुच्चय– डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
3–वैदिक वाङ्मय – एक परिशीलन – ब्रजबिहारी चौबे
4–वैदिक स्वरबोध – ब्रजबिहारी चौबे
5–ऋग् भाष्यसंग्रह – देवराज चानना
6–वैदिक व्याकरण – ए.ए. मेक्डोनल
7–वैदिक व्याकरण – डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डे
8–वैदिक स्वरमीमांसा – श्री युधिष्ठिर मीमांसक
9–ऋग्वेद चयनिका – विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी
10–वेद विज्ञान – कर्पूरचन्द कुलिश, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
11–छन्दःसमीक्षा – स्वामी सुरजनदास, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

ख– भाषा–विज्ञान

1–एन इन्टोडक्शन टू कम्परेटिव फिलोलोजी, गुणे, ओरियंटल बुक एजेंसी, पूना
2–लिंग्विस्टिक इन्ट्रोडक्शन टू संस्कृत – बटकृष्ण घोष, इण्डियन इन्स्टीट्यूट, कोलकाता।
3–तुलनात्मक भाषाशास्त्र – डॉ0 मंगलदेव शास्त्री
4–भाषाविज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
5–संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. भोलाशंकर व्यास – भारतीय ज्ञानपीठ, काशी।
6–संस्कृत भाषाविज्ञान – डॉ. राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
7–एलीमेंट्स ऑफ दी साईन्स ऑफ लैंग्वेज, तारापोरेवाला, हिन्दी अनुवाद, मध्यप्रदेश हिन्दी अकादमी
8–भाषा का इतिहास – श्रीभगवद्दत्त
9–संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक अध्ययन– देवीदत्त शर्मा, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी।

अथवा

Raj | Jai

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. पूर्वार्द्ध–प्रथम प्रश्नपत्र– ज्योतिषशास्त्र का इतिहास एवं फलित सिद्धान्त

प्रायोगिक परीक्षा 40 अंक
सैद्धान्तिक परीक्षा 60 अंक
समय -- तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं। **प्रश्नपत्र में 60 अंक लिखित परीक्षा के लिए तथा 40 अंक प्रायोगिक परीक्षा के लिए निर्धारित होंगे।** (लिखित परीक्षा के 60 अंक होने के कारण 20 प्रतिशत अर्थात् 12 अंक लिखित परीक्षा में संस्कृत भाषा के माध्यम के लिए निर्धारित होंगे शेष 48 अंक हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत माध्यम से दिये जायेंगे)

1– भारतीय ज्योतिष का इतिहास	20 अंक
2– हस्तरेखा विज्ञान प्रथम एवं द्वितीय खण्ड–गोपेश कुमार ओझा	20 अंक
3-- फलित खण्ड	20 अंक
4– प्रायोगिक परीक्षा	40 अंक
कुल योग	100 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1–भारतीय ज्योतिष का इतिहास	(1) वैदिक वेदांग एवं पुराणकाल एवं पाराशर, आर्यभट्ट प्रथम व द्वितीय वराहमिहिर भास्कराचार्य, कल्याणवर्मा, लीलाधर, केशव राजदेवज्ञ, जगन्नाथ सम्राट, आचार्य जैमिनी तथा बापूदेव शास्त्री इन पर चार प्रश्न पूछे जायेंगे।	20 अंक (10+10)
2– हस्तरेखा विज्ञान	(1) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	(2) चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर	10 अंक (5+5)
3– फलितखण्ड	फलादेश के सामान्य सिद्धान्त, उत्तर भारतीय जन्मकुण्डली के आधार पर बारह भावों के फलादेश, नवग्रहों का स्वरूप, द्वादश राशियों का स्वरूप, बारह भावों के कारक ग्रह, ग्रहों के अधिकार क्षेत्र, मैत्री, पंचधा मैत्री, ग्रहों के कालांश, विवाह गुण मिलान की वैज्ञानिकता।	
	(1) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	8 अंक
	(2) दो प्रश्नों में से एक का संस्कृत में उत्तर	12 अंक

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

4–प्रायोगिक परीक्षा	(1) पंचांग, हस्तरेखा विज्ञान एवं फलित खण्ड पर आधारित होगी। इन विषयों से सम्बन्धित सामान्य व विशिष्ट प्रश्न किये जायेंगे। (20 प्रतिशत अंक अर्थात् 8 अंक संस्कृत माध्यम से अभिव्यक्ति के लिए निर्धारित होंगे)	40 अंक
	कुल योग	100 अंक

सहायक पुस्तकें–

1– गण तरंगिणी–बापूदेव शास्त्री।
2– भारतीय ज्योतिष का इतिहास–शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
3– भारतीय ज्योतिष–नेमीचन्द शास्त्री।
4– हस्तरेखा विज्ञान–गोपेश कुमार ओझा।
5– फलित प्रबोधिनी–डॉ. विनोद शास्त्री, राज. ज्योतिष परिषद् एवं शोध संस्थान, जयपुर।
6– ज्योतिष प्रारंभिकी– डॉ. विनोद शास्त्री, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर।
7– ज्योतिष सर्वस्व–डॉ. सुरेश चन्द मिश्रा, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली।

द्वितीय प्रश्नपत्र – ललित साहित्य एवं नाटक

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– मेघदूत–कालिदास	35 अंक
2– मध्यम व्यायोग–भास	25 अंक
3– मृच्छकटिकम्–शूद्रक	40 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1–मेघदूत	(1) चार श्लोक (2 श्लोक पूर्वार्द्ध और 2 श्लोक उत्तरार्द्ध भाग में से) पूछकर दो की सप्रसंग व्याख्या (जिनमें से एक की व्याख्या संस्कृत में अनिवार्य)	20 अंक (10+10)
	(2) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	15 अंक
2–मध्यमव्यायोग	(1) चार श्लोक में से दो की सप्रसंग व्याख्या	15 अंक (7.5+7.5)
	(2) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक

Raj Jain
Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

3–मृच्छकटिकम्	(1) चार श्लोक में से दो की सप्रसंग व्याख्या	20 अंक (10+10)
	(2) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	(3) दो सूक्तियों में से एक की संस्कृत व्याख्या	10 अंक
	कुल योग	100 अंक

सहायक पुस्तकें–

1– संस्कृत के संदेश काव्य – डॉ0 रामकुमार आचार्य
2– मेघदूत–कालिदास–व्याख्या – डॉ0 रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
3– मध्यम व्यायोग– भास नाटक चक्रम्
4– मृच्छकटिकम् – रमाशंकर त्रिपाठी
5– मृच्छकटिकम् – डॉ0 श्रीनिवास शास्त्री
6– मृच्छकटिकम्–शास्त्रीय, सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन – डॉ0 शालगराम द्विवेदी

तृतीय प्रश्नपत्र – भारतीय दर्शन

समय – तीन घंटे **पूर्णांक – 100 अंक**

अवधेयम् -- प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– सांख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण	30 अंक
2– तर्कभाषा (प्रामाण्यवादपर्यन्त), केशवमिश्र	30 अंक
3– वेदान्तसार,– सदानन्द	20 अंक
4–योगसूत्रम् (प्रथम व द्वितीय पाद) पतंजलि	20 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1–सांख्यकारिका	(1) चार कारिकाओं में से दो की सप्रसंग व्याख्या (इनमें से एक संस्कृत भाषा में अनिवार्य)	20 अंक (10+10)
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
2– तर्कभाषा	(1) चार में से दो की व्याख्या	20 अंक
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
3– वेदान्तसार	(1) दो उद्धरणों में से एक उद्धरण की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

5– योगसूत्रम्	(1) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	10 अंक (5+5)
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत भाषा में।	10 अंक
	कुल योग	**100 अंक**

सहायक पुस्तकें--

1– सांख्यकारिका (युक्तिदीपिका सहित) सं0 रमाशंकर त्रिपाठी
2– सांख्यतत्त्वकौमुदी – रमाशंकर भट्टाचार्य
3– तर्कभाषा – आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, चौखम्बा, वाराणसी
4– तर्कभाषा – आचार्य बदरीनाथ शुक्लकृत हिन्दी व्याख्या, चौखम्बा, वाराणसी
5– वेदान्तसार – सन्तराम श्रीवास्तव
6– वेदान्तसार – डॉ0 शिवसागर त्रिपाठी, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
7– सर्वदर्शनसंग्रह – माधवाचार्य
8– अद्वैतवेदान्त में आभासवाद – डॉ0 सत्यदेव मिश्र, इंदिरा प्रकाशन, पटना।
9– अर्थसंग्रह– लौंगाक्षिभास्कर–चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
10– भारतीय दर्शन–संपादक डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,
11– भारतीय दर्शन– डॉ0 बलदेव उपाध्याय
12– इन्टोडक्शन टु इण्डियन फिलासफी –दत्ता एवं चटर्जी (हिन्दी व अंग्रेजी संस्करण)
13– भारतीय न्यायशास्त्र– ब्रह्ममित्र अवस्थी (इन्दु प्रकाशन, दिल्ली)
14– भारतीय दर्शन –डॉ0 उमेश मिश्र (हिन्दी समिति, उत्तरप्रदेश सरकार, लखनउ

चतुर्थ प्रश्नपत्र – भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

समय – तीन घंटे   पूर्णांक–100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– साहित्यदर्पण(1,2 परिच्छेद, तृतीय परिच्छेद कारिका 29 तक)–विश्वनाथ	25 अंक
2– नाट्यशास्त्र (षष्ठ अध्याय) – भरत	15 अंक
3– काव्यालंकार (भामह) प्रथम अध्याय	20 अंक
4– साहित्यशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थ, चिन्तक एवं सिद्धान्त (6 सम्प्रदाय)	20 अंक
5– प्रकिया भाग–लघुसिद्धान्तकौमुदी (ण्यन्त, सन्नन्त, आत्मनेपद, परस्मैपद)	20 अंक

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

विस्तृत अंक विभाजन

1–साहित्यदर्पण	(1) चार कारिकाओं/उद्धरणों में से दो की व्याख्या (जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य)	18 अंक(9+9)
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर।	7 अंक
2– नाट्यशास्त्र	(1) दो कारिकाओं में से एक की व्याख्या	8 अंक
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर।	7 अंक
3– काव्यालंकार	(1) चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या (जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य)	20 अंक
4–साहित्यशास्त्र	(1) ग्रन्थ, चिन्तक में से दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर (2) सिद्धान्त संबंधी दो प्रश्न में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक 10 अंक
5– प्रकियाभाग	(1) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	8 अंक
	(2) छहः सिद्धियों में से तीन सिद्धियां	12 अंक
	कुल योग	100 अंक

संस्तुत पुस्तकें –

1–साहित्यदर्पण – डॉ0 निरूपण विद्यालंकार
2–साहित्यदर्पण–शेषराज रेग्मी
3–साहित्यदर्पण–शालगराम शास्त्री
4–नाट्यशास्त्र– सम्पादक डॉ0 भोलानाथ शर्मा– साहित्य निकेतन, कानपुर
5–भरतनाट्यशास्त्र– डॉ0 ब्रजमोहन चतुर्वेदी, आकिर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
6–नाट्यशास्त्र– डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी, विनोद प्रस्तक मन्दिर, आगरा
7–नाट्यशास्त्र– डॉ. रामसिंह चौहान, – महालक्ष्मी (रसोऽध्याय) प्रकाशन आगरा
8–काव्यालंकार– भामह बटुकनाथ शर्मा
9–अलंकारशास्त्र का इतिहास– डॉ0 कृष्णकुमार
10–हिस्ट्री ऑफ अलंकार लिटरेचर– डॉ. पी.वी. काणे(काणे व हिन्दी संस्करण)
11–संस्कृत पोईटिक्स– एस.के.डे.(अंग्रजी व हिन्दी संस्करण)
12–भारतीय साहित्यशास्त्र, बलदेव उपाध्याय
13–लघुसिद्धान्तकौमुदी– भीमसेन शास्त्री
14–लघुसिद्धान्तकौमुदी– महेशसिंह कुशवाह
15–लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ0 अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार, जयपुर

Raj Jain
Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत–

वर्ग अ साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र– साहित्यशास्त्र

समय --तीन घण्टे पूर्णांक–100 अंक

अवधेयम्– प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जोगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. काव्यप्रकाश (1 से 8 उल्लास) – मम्मट(सप्तम उल्लास में रसदोषमात्र) 50 अंक
2. ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) आनन्दवर्धन 25 अंक
3. वक्रोक्तिजीवितम्(प्रथम उन्मेष) कुन्तक 25 अंक

विस्तृत अंक– विभाजन

1. काव्यप्रकाश
   1. चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या 15+15=30 अंक
   2. वृत्तिभाग से 2 उद्धरण पूछकर एक की संस्कृत में व्याख्या 10 अंक
   3. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर 10 अंक
2. ध्वन्यालोक
   1. चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य 10+10= 20 अंक
   2. दो टिप्पणी में से एक का विवेचन 5 अंक
3. वक्रोक्तिजीवितम्
   1. चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या $7\frac{1}{2}+7\frac{1}{2}=15$ 7.5+7.5=15 अंक
   2. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर 10 अंक

कुलयोग 100 अंक

सहायक पुस्तकें–

1– डॉ0 पी0वी0 काणे – हिस्ट्री ऑफ अलंकार लिटरेचर
2– रस सिद्धान्त की शास्त्रीय समीक्षा – प्रो0 सुरजनदास स्वामी – प्रकाशक नीरज शर्मा, जयपुर
3– संस्कृत पोइटिक्स– एस0के0डे
4– भारतीय साहित्यशास्त्र–बलदेव उपाध्याय

Raj | Jaij

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

5– काव्यशास्त्र – डॉ. विक्रमादित्य राय
6– भारतीय साहित्यशास्त्र की रूपरेखा –डॉ0 त्रयम्बक देशपांडे
7– रसालोचनम् – डॉ0 ब्रह्मानंद शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
9– काव्यप्रकाश – मम्मट व्याख्या – डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
10–काव्यप्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, ज्ञान मण्डल, वाराणसी
11–ध्वन्यालोक – आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि
12–ध्वन्यालोक – डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी
13–रसगंगाधर – आचार्य बद्रीनाथ झा
14–रसगंगाधर – नागेशभट्ट कृत मर्मप्रकाश, मधुसूदनी–संस्कृत टीका व बालक्रीड़ा हिन्दी टीका।
15–वक्रोक्तिजीवितम् – राधेश्याम मिश्र
16– वक्रोक्तिजीवितम् – प्रथम व द्वितीय उन्मेष – डॉ0 दशरथ द्विवेदी

द्वितीय पत्र – नाटक तथा नाट्यशास्त्र

समय – तीन घंटे **पूर्णांक – 100 अंक**

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– दशरूपकम् – धनंजय (प्रथम, द्वितीय व चतुर्थ प्रकाश मात्र)	35 अंक
2– वेणीसंहार – भट्टनारायण	20 अंक
3– उत्तररामचरितम्– भवभूति	35 अंक
4– पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास – विरेचन सिद्धान्त, अनुकरण सिद्धान्त (अरस्तू), उदात्तीकरण, अभिव्यक्तिवाद	10 अंक
कुल अंक	**100 अंक**

विस्तृत अंक–विभाजन

1–दशरूपकम्	(1) चार कारिकाओं में से एक की संस्कृत व्याख्या एवं एक की हिन्दी व्याख्या	20 अंक
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	15 अंक
2– वेणीसंहार–	(1) दो श्लोकों में से 1 की हिन्दी में व्याख्या	10 अंक
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
3–उत्तररामचरितम्	(1) चार श्लोकों में से दो की व्याख्या (एक की संस्कृत में)	20 अंक(10+10)
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	15 अंक
4–पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास	(1) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	कुल योग	100 अंक

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

सहायक पुस्तकें–

1– अभिनवगुप्त – अभिनवभारती
2– टाइम्स ऑफ संस्कृत ड्रामा – मनकन्द
3– भरत नाट्यशास्त्र, डॉ0 ब्रजमोहन चतुर्वेदी, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
4– नाट्यशास्त्रम्, भरतमुनि प्रणीत, डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
5– संस्कृत नाट्यसाहित्य – डॉ0 खण्डेलवाल, आगरा
6– दशरूपक (नान्दी टीका) –डॉ0 रामजी उपाध्याय संस्कृत परिषद्, सागर विश्वविद्यालय, सागर
7– दशरूपकतत्त्वदर्शनम् –डॉ0 रामजी उपाध्याय संस्कृत परिषद्, सागर विश्वविद्यालय, सागर
8– मध्यकालीन संस्कृत नाटक – डॉ0 रामजी उपाध्याय संस्कृत परिषद्, सागर विश्वविद्यालय, सागर
9– संस्कृत ड्रामा (नाटक) –कीथ
10– इंडियन थियेटर – सी0बी0 गुप्त
11– भरत नाट्यशास्त्र (अंग्रेजी अनुवाद)– मनमोहन घोष
12– वेणीसंहार – तारिणीश झा
13– उत्तररामचरितम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
14– उत्तररामचरितम् – वीरराघवकृतया टीका – शेषराज शर्मा
15– पाश्चात्य आलोचना के सिद्धान्त – भागीरथ मिश्र

तृतीय पत्र – तीन विकल्प

(1) काव्य – गद्य–पद्य–चम्पू

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– कादम्बरी (महाश्वेतावृतान्त पर्यन्त) – बाणभट्ट	20 अंक
2– नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग)	30 अंक
3– चम्पूभारतम् (प्रथम स्तबक मात्र)	25 अंक
4– शिवराजविजय (1,2 स्तबक) अम्बिकादत्त व्यास	25 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1–कादम्बरी	(1) चार उद्धरणों में से दो का सप्रसंग अनुवाद	20 अंक (10+10)
2–नैषधीयचरितम्	(1) चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या (एक की संस्कृत में)	20 अंक (10+10)
	(2) दो में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित	10 अंक

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

3–चम्पूभारतम् (प्रथम स्तबक मात्र)	(1) दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या (एक संस्कृत में) (2) दो गद्यांशों में एक की व्याख्या।	25 अंक (12.5+12.5)
4– शिवराजविजय	(1) चार उद्धरणों में से दो का सप्रसंग अनुवाद (2) दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	20 अंक (10+10) 5 अंक
	कुल योग	100 अंक

सहायक पुस्तकें –

1– नैषधपरिशीलन – चण्डिकाप्रसाद शुक्ल
2– नैषधीयचरितम् – जीवाड संस्कृत टीकासहित – डॉ0 देवर्षि सनाढ्य
3– बृहत्त्रयी – सुषमा कुलश्रेष्ठ
4– क्रिटिकल स्टडी ऑफ नैषधीयचरितम् – डॉ0 ए0एन0 जानी
5– चम्पूभारतम् – पंडित अनंतभट्ट चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
6– चम्पू काव्यों का अध्ययन – छविनाथ मिश्र
7– कादम्बरी (पूर्वार्द्ध) संस्कृत हिन्दी टीका सहित – डॉ0 श्रीनिवास शास्त्री
8– कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ0 वासुदेवशरण अग्रवाल
9– शिवराज विजय–अम्बिकादत्त व्यास।

(2)कवि विशेष का अध्ययन : कालिदास

एम0ए0 उत्तरार्द्ध तृतीय प्रश्नपत्र (साहित्य वर्ग)

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या हेतु

1– व्याख्या हेतु प्रस्तावित नाटक – कालिदास के नाटक 30 अंक
2– रघुवंश (13 सर्ग), कुमार संभव (1–5 सर्ग) मेघदूत व ऋतुसंहार) 30 अंक

(ख) समालोचना हेतु

1– कालिदास के स्थितिकाल, जीवनवृत्त, रचनासंख्या आदि बिन्दुओं पर प्रश्न 15 अंक
2– कालिदास की काव्यकला, नाटककला एवं रचना–सौन्दर्य पर प्रश्न 25 अंक

1–अभिज्ञान0	2 श्लोकों में से 1 की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
2–विक्रमोर्वशीय	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

3– मालविका0	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
4– रघुवंश	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
5– कुमारसंभवम्	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
6– मेघदूतम्	2 श्लोकों में से 1 की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
7– व्यक्तित्व व कृतित्व	2 प्रश्नों में से 1 का उत्तर	15 अंक
8–समालोचनात्मक प्रश्न –	4 प्रश्नों में से 2 प्रश्नों का उत्तर	15+10 = 25 अंक
	कुल योग	100 अंक

सहायक पुस्तकें –

(1) कालिदास ग्रंथावली– डॉ रेवाप्रसाद द्विवेदी

(2) कालिदास – विष्णु देव मिरासी

(3) कवि विशेष का अध्ययन : भास

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– व्याख्या हेतु प्रस्तावित नाटक – पंचरात्र, बालचरित, प्रतिज्ञायौगन्धरायण, स्वप्नवासवदत्तम तथा चारुदत्तम् से अंश — 20 अंक

2– भास के स्थितिकाल, व्यक्तित्व, नाटकसंख्या, नाटकों का एक कर्तृत्व आदि बिन्दुओं पर प्रश्न — 20 अंक

3– निम्न नाटकों से कथानक, पात्र–परिचय, नाट्य प्रकार आदि की दृष्टि से सामान्य अध्ययन पर आधारित प्रश्न – अभिषेक, मध्यमव्यायोग, दूतवाक्यम्, दूतघटोत्कच, कर्णभार, उरुभंग, अविमारक — 40 अंक

4– भास की नाट्यकला तथा रचनात्मक सौन्दर्यानुभूति पर व्याख्या हेतु निर्धारित नाटकों से प्रश्न — 20 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1–व्याख्या हेतु प्रस्तावित नाटक	4 श्लोकों में से 2 की संप्रसंग व्याख्या (उसमें से एक संस्कृत में)	20 अंक (10+10)
2–भास का स्थितिकाल आदि	4 प्रश्न पूछ कर 2 का उत्तर	20 अंक (10+10)

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

3–सामान्य अध्ययन पर आधारित प्रश्न	4 प्रश्नों में से 2 का उत्तर	30 (15 + 15)
	2 प्रश्न पूछकर एक का उत्तर संस्कृत में	10 अंक
4– भास की नाट्यकला —	4 प्रश्न पूछ कर 2 का उत्तर	20 (10 + 10)
	कुल योग	100 अंक

सहायक पुस्तकें

1– भासनाटकचक्रम् – भाग एक व दो, व्याख्याकार डॉ0 गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

2– दूतघटोत्कच – व्याख्याकार डॉ0 गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

3– दूतवाक्यम् – व्याख्याकार डॉ0 गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

4– मध्यमव्यायोग – व्याख्याकार डॉ0 गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

वर्ग 'ब' वैदिक साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र–संहिता पाठ

समय – तीन घंटे — पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जानेवाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है।

1. ऋग्वेद सप्तम मंडल सूक्त 1 से 10 तक — 25 अंक
2. अथर्ववेद–अधोदत्त सूक्त मात्रा निर्धारित है– — 30 अंक

काण्ड	सूक्त
1	5,6,14
2	28,33
3	12,16,17,30
4	30
8	9
9	9 (14 अस्य वामस्य)
18	6 (प्राण ब्रह्मचारी)
19	52,53

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

3. वाजसनेयी संहिता–अध्याय 1,32 एवं 36 20 अंक

टिप्पणी– परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वेद वेद के मंत्रों के विभिन्न भाश्य जिनमें सायण, कपाली शास्त्री, दयानन्द उव्वट का नाम विशेषतः उल्लेखनीय है, पढेंगे तथा आधुनिक अर्थों से भी परिचित होंगे।

4. संबद्ध व्याकरण 10 अंक

5. ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका–स्वामी दयानन्द 15 अंक

कुल अंक 100 अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र--ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है।

ऐतरेय ब्राह्मण–पंचिका अध्याय 1 व 2 मात्र 20 अंक

शतपथ ब्राह्मण–माध्यंदिन काण्ड 1, अध्याय 1 15 अंक

यास्क निरूक्त 2, 7 अयाय (निर्वचन व व्याख्या) 15 अंक

ऋक् प्रतिशाख्य 1,2 और 3 मात्र 15 अंक

ऋक् प्रतिशाख्य के पाठ्यकम में निर्धारित सूत्रों की व्याख्या प्रष्टव्य है।

छान्दोग्योपनिषद् अध्याय 7वां 20 अंक

कात्यायन श्रौतसूत्र–अध्याय प्रथक 1–2 कण्डिकाएं 15 अंक

कुल अंक 100 अंक

तृतीय प्रश्नपत्र–वैदिक धर्म, देवशास्त्र एवं वैदिकी प्रकिया

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है।

वैदिक धर्मों का तुलनात्मक एवं देवशास्त्र 40 अंक

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

वैदिकी प्रक्रिया–सिद्धान्त कौमुदी	40 अंक
महर्षि कुलवैभवम्–मधुसूदन ओझा (महर्षियों का सामान्य परिचय)	20 अंक
कुल अंक	100 अंक

वर्ग 'स' दर्शनशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र–न्याय और वैशेषिक दर्शन

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

न्याय सूत्र वात्स्यायन भाष्य सहित (प्रथम अध्याय)	30 अंक
विश्वनाथ–न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष एवं शब्द खण्ड)	40 अंक
प्रशस्तपाद (गुणनिरूपणान्त)	30 अंक
कुल अंक	100 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

पाठ्यक्रम

1. न्यायसूत्रम् वात्स्यायन भाष्य सहित	दो व्याख्याओं में से एक की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
	दो सूत्रों में से एक की व्याख्या	10 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक

2. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली

प्रत्यक्ष खण्ड में चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या	10+10= 20 अंक
शब्द खण्ड से चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या	10+10= 20 अंक

3. प्रशस्तपादभाष्य

चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या	10+10= 20 अंक
दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
कुलयोग	100 अंक

Raj (Tai)
Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

सहायक पुस्तकें–

1. न्यायसूत्र वात्स्यायन भाष्य, सं. स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, प्र. बौद्ध भारती, वाराणसी
2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली(प्रत्यक्षखण्ड), वयाख्याकार– डॉ0 श्री गजानन शास्त्री मुसलगॉवकर,चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
3. कारिकावली– न्यायमुक्तावली संवलिता, व्याख्याकार– आत्माराम शर्मा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
4. प्रशस्तपादभाष्यम् व्याख्याकार– आचार्य ढुण्ढिराजशास्त्री, प्र. चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

द्वितीयपत्र– शैवागम, सांख्यदर्शन और दर्शनशास्त्र

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी –वाचस्पतिमिश्र(एक से तीस कारिका पर्यन्त) 20 अंक
2. ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी(आगमाधिकार) 20 अंक
3. परमार्थसार– अभिनवगुप्त 20 अंक
4. भारतीय दर्शनशास्त्र 20 अंक
5. पाश्चात्य दर्शनशास्त्र 20 अंक

अवधेयम्–दर्शनशास्त्र के विकास की दृष्टि से निम्नांकित विषयों पर सामान्य अध्ययन अपेक्षित है–1. षड्दर्शन का विकास, 2. सुकरात, प्लेटो एवं अरस्तू द्वारा प्रतिपादित नीतिशास्त्र, 3. स्पिनोजा का शून्यवाद तथा सर्वेश्वरवाद,4. बर्कलेकृत जडवाद की आलोचना 5. ह्यूम का कार्यकारणवाद तथा सन्देहवाद, 6. देकार्त प्रतिपादित ईश्वर एवं बाह्य जगत! तथा 7. काण्ट का नीतिशास्त्र।

विस्तृत अंक विभाजन

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी –	दो व्याख्याओं में से एक की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
	दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
2. ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी	दो व्याख्याओं में से एक की व्याख्या	10 अंक
	दो प्रश्नों में एक का उत्तर	10 अंक
3. परमार्थसार–	दो व्याख्याओं में से एक की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
	दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक

Raj Jain
Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

4. भारतीय दर्शनशास्त्र	चार प्रश्नों में से दो का उत्तर	10+10= 20 अंक
5. पाश्चात्य दर्शनशास्त्र	चार प्रश्नों में से दो का उत्तर	10+10= 20 अंक
कुल योग		100 अंक

सहायक पुस्तकें

1. भारतीय दर्शन का इतिहास, एस. एन.गुप्त, अनु. कलानाथ शास्त्री, सुधीर कुमार, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, अकादमी, जयपुर
2. पाश्चात्य आधुनिक दर्शन की समीक्षात्मक व्याख्या, या मसीह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. नीतिशास्त्रीय सिद्धान्त के पाँच प्रकार सी.डी. ब्रोड, अनु. डॉ0 श्यामनन्दन, प्रो0 केदारनाथ लाल, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
4. नीतिशास्त्र मीमांसा, जार्ज एडवर्ड, मू. अनु. अशोक कुमार वर्मा, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना

तृतीयप्रश्नपत्र–वेदान्त मीमांसा एवं अवैदिक दर्शन

समय– तीन घण्टे **पूर्णांक–100**

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. ब्रह्मसूत्रचतु:सूत्री–शांकरभाष्यसहित	30 अंक
2. माण्डूक्योपनिषद्(गौडपादकारिका सहित)	25 अंक
3. अर्थसंग्रह– (विधिभाग को छोडकर)	20 अंक
4. सर्वदर्शनसंग्रह– माधवाचार्य(जैन व बौद्धदर्शनमात्र)	25 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1. ब्रह्मसूत्रचतु:सूत्री	चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या जिसमें	
	एक का संस्कृत में संप्रसंग अनुवाद	10+10= 20 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
2. माण्डूक्योपनिषद्	चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या जिसमें	
	एक की संस्कृत में	9+9= 18 अंक

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	7 अंक
3. अर्थसंग्रह	चार उद्धरणों में से दो की व्याख्या	7+7= 14 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	6 अंक
4. सर्वदर्शनसंग्रह	दोनों दर्शनों में दो दो कारिकाओं में से एक एक की व्याख्या	12+13= 25 अंक

सहायक पुस्तकें–

1. माण्डूक्यकारिका– गौडपद, आनन्द आश्रम पूना
2. आगमशास्त्र ऑफ गौडपाद, बी भट्टाचार्य, यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता।
3. सर्वदर्शनसंग्रह– माधवाचार्य प्रो. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. अर्थसंग्रह–व्या. डॉ. कामेश्वरनाथ मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

वर्ग द धर्मशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र–धर्मसूत्र और धर्मशास्त्र का इतिहास

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. गौतमधर्मसूत्राणि सम्पूर्ण 75 अंक
2. धर्मशास्त्र का इतिहास
   (प्रमुख सूत्रकार, स्मृतियां एवं निबन्धकारों का इतिहास) 25 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1. गौतमधर्मसूत्र	दस सूत्रों में से पाँच की व्याख्या	25 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का संस्कृत में उत्तर	20 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर व्यवहार सम्बन्धी	20 अंक
2. धर्मशास्त्र का इतिहास किन्हीं चार ग्रन्थकारों अथवा धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों में से दो का परिचय		15 अंक
	धर्मशास्त्र के इतिहासकारों के विषय में दो प्रश्न में से एक का उत्तर	10 अंक
कुलयोग		100 अंक

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

संस्तुत पुस्तकें–

1. गौतमधर्मसूत्राणि हिन्दी व्याख्याकार– डॉ उमेशचन्द्र पाण्डे, चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, वाराणसी
2. धर्मशास्त्र का इतिहास, प्रथमखण्ड, डॉ0 पी.वी.काणे, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
3. धर्मकल्पद्रुम डॉ राजेन्द्रप्रसादशर्मा, वाराणसी

द्वितीयप्रश्नपत्र–स्मृतिशास्त्र

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. मनुस्मृति (3 से 6 अध्याय तक) 50 अंक
2. याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय 1 से 7 प्रकरण) 25 अंक
3. विश्वेश्वरस्मृति 25 अंक

विरतृत अंक विभाजन

1. मनुस्मृति	चार श्लोकों में से दो की संप्रसंग व्याख्या	10+10= 20 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का संस्कृत में उत्तर	20 अंक
	चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर	10 अंक
2. याज्ञवल्क्यस्मृति	दो में से किसी एक की मिताक्षरा के अनुसार व्याख्या	10 अंक
	चार टिप्पणियों में दो का उत्तर	15 अंक
3. विश्वेश्वरस्मृति	चार श्लोकों में से दो की संप्रसंग व्याख्या–	15 अंक
	दो प्रश्नों में एक का उत्तर अथवा चार टिप्पणियों में दो का उत्तर	10 अंक
कुलयोग		100 अंक

संस्तुत पुस्तकें–

1. मनुस्मृति, हिन्दी व्याख्याकार पं. हरगोविन्दशास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. याज्ञवल्क्यस्मृति हिन्दी व्याख्याकार, डॉ0 उमेशचन्द पाण्डे, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. विश्वेश्वरस्मृति, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

Raj | Jai

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

तृतीयप्रश्नपत्र-- निबन्ध साहित्य, व्यवहार एवं प्रायश्चित्त ज्ञान

समय– तीन घण्टे **पूर्णांक--100**

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. धर्मसिन्धु, काशीनाथ उपाध्याय, प्रथम व द्वितीय परिच्छेद 50 अंक
2. याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय अष्टम प्रकरण दायभाग) 25 अंक
3. याज्ञवल्क्यस्मृति(प्रायश्चित्ताध्याय) 25 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1. धर्मसिन्धु	चार बिन्दुओं में से 2 का संस्कृत विवेचन	10+10= 20 अंक
	चार बिन्दुओं में से दो का विवेचन	20 अंक
	चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर	10 अंक
2. याज्ञवल्क्यस्मृति	दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या	15 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
3. याज्ञवल्क्यस्मृति	दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या	15 अंक
	दो टिप्पणियों में एक का उत्तर	10 अंक
कुलयोग		100 अंक

संस्तुत पुस्तकें–

1. धर्मसिन्धु, काशीनाथ, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. याज्ञवल्क्यस्मृति हिल्दी व्याख्याकार, डॉ0 उमेशचन्द पाण्डे, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

Raj | Jai

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

वर्ग एफ ज्योतिषशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र ज्योतिष विज्ञान, खगोल एवं ताजिकशास्त्र

प्रायोगिक परीक्षा 50 अंक
सैद्धान्तिक परीक्षा 50 अंक

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100 अंक

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. वर्षपत्र निर्माण के सामान्य सिद्धान्त एवं वर्षफल कथन — 20 अंक
   (i) वर्ष लग्न निर्माण प्राचीन एवं नवीन पद्धति के आधार पर
   (ii) मुन्था निर्णय एवं फल
   (iii) षोडशयोग एवं फल
   (iv) त्रिपताकीचक्र निर्माण एवं फल
   (v) वर्षपति निर्णय

2. ज्योतिषविज्ञान सम्बन्धी अपेक्षित बिन्दु — 20 अंक
   1. ज्येष्ठ माह की ज्योतिषीय महत्ता
   2. देवशयन मांगलिक कार्य में बाधक क्यो?
   3. नक्षत्रविज्ञान का जनक रहा है भारत
   4. ज्योतिषरोग एवं उपचार
   5. पुराणों में मंगल ग्रह की अवधारणा
   6. ग्रहों का मानवीकरण व फलादेश
   7. मांगलिक ग्रह अमांगलिक क्यों
   8. त्रिपताका चक्र और ग्रहवेध
   9. गोधूलि वेला विवाह के लिए श्रेष्ठ
   10. वर्षायोग के ज्योतिषीय सिद्धान्त
   11. भाग्यशालीयोग कन्या जन्म से भी होता है
   12. बन्दीगृह योग में भी है श्रेष्ठ राजयोग
   13. श्राद्धविज्ञान के मूलाधार सूर्यचन्द्र
   14. पूर्वजन्म पुनर्जन्म एवं ज्योतिष
   15. नक्षत्रों पर टिका है मुहूर्त व भविष्यफल
   16. वास्तुशास्त्र की वस्तुस्थिति

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

17. सृष्टिप्रक्रिया का आधार चन्द्रमा
18. वायुधारिणी पूर्णिमा एवं वर्षायोग
19. शरदपूर्णिमा की रात पाइए अनृतप्रसाद
20. ज्योतिष में श्रावणी और रक्षाबन्धन
21. रक्षाबन्धन का वैज्ञानिक आधार
22. हृदय का स्पंदन और ज्योतिषशास्त्र
23. जन्माष्टमी और पंचामृत का ज्योतिषीय महत्त्व
24. श्रीकृष्ण का ज्योतिषीय महत्त्व
25. वैवाहिक निर्णयों में ज्योतिषीय भूमिका
26. पर्यावरणपरिवर्तन और वर्षा के ज्योतिषीय अनुमान
27. व्यक्तित्व विकास में ज्योतिष
28. सूर्यचन्द्रस्वर कार्यसिद्धि में सहायक
29. चिकित्सा में भूमिका निभाते है ग्रहयोग
30. मधुमेह की ज्योतिषीय चिकित्सा
31. महामृत्युंजय मन्त्र का ज्योतिषीय स्वरूप
32. देवप्रबोधिनी एकादशी का वैज्ञानिक आधार
33. ज्योतिषज्ञान आव यक क्यों?
34. सार्थक ही है विवाह हेतु गुणमिलान
35. कुण्डलीमिलान के बावजूद शादी क्यों नहीं
36. बुधादित्ययोग में आपका जीवन
37. सूर्यचन्द्र परिवेश का जनजीवन पर प्रभाव
38. कर्मवाद और ज्योतिषविज्ञान
39. ब्रह्माण्ड रहता है आपकी हथेली में
40. खगोल को भूगोल से जोड़ता है स्वस्तिमंत्र
41. ऊँनाद के साथ ही ग्रहनक्षत्रों की उत्पत्ति
42. इस्लामीतन्त्र एवं ज्योतिष
43. चेहरा आपके स्वभाव का दर्पण है
44. कब मिलती है चोरी गई वस्तु
45. ज्योतिषविज्ञान में प्रश्नतन्त्र
46. पौधारोपण करने से घर में लक्ष्मीनिवास

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

3. गोल परिभाषा 10 अंक

खमध्य,नाड़ीवलय, समवृत्त, उन्मण्डलवृत्त, उर्ध्वखस्वस्तिक, कदम्बधान, कदम्बप्रोतवृत्त, अयनप्रोतवृत्त,दृग्वृत्त, उन्नतांश, नतांश, अक्षांश, दिगंश, शर, विमण्डलवृत्त अहोरात्रवृत्त आदि की परिभाषा ही पृष्टव्य है।

4. प्रायोगिक परीक्षा 50 अंक

प्रायोगिक परीक्षा में जयपुर स्थित ज्योतिष यन्त्रालय, जंतर मंतर सिटी पैलेस के पास में विद्यमान यन्त्रों में से शंकुयन्त्र, लघुसम्राटयन्त्र, बृहद् सम्राटयन्त्र, चक्रयन्त्र, षष्ठ्यंश यन्त्र, भित्तियन्त्र, रागयन्त्र, दिगंशयन्त्र, नाड़ीवलय न्त्र, आदि से ग्रह नक्षत्रों एवं सूर्य की वेध प्रक्रिया क्रान्ति आदि की जानकारी के साथ महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा निर्मित दिल्ली, वाराणसी, उज्जैन, मथुरा, जयपुर के यन्त्रालयों की ऐतिहासिक जानकारी मापदण्ड रहेगी।

सहायक ग्रन्थ

1. गोलीस रेखागणितम्– श्री मीझालाल ओझा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. गोलपरिभाषा, श्री गणपति लाल शर्मा
3. यन्त्रालयपरिचय पं. गोकुलचन्द भावन

द्वितीय प्रश्नपत्र– वास्तुविज्ञान एवं मुहूर्त

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. **वास्तुशास्त्र के सामान्य सिद्धान्त (निम्नशीर्षकों के आधार पर)** 50 अंक
   1. वास्तु एक वैज्ञानिक अवधारणा
   2. वास्तुपुरुष विधान
   3. कांकिणी / ग्रामवास विचार
   4. भूमि परीक्षण
   5. भूमिशोधन

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

6. प्राचीन एवं आधुनिक भाप प्रणाली
7. भूमि का ढ़लान
8. भूखण्ड की आकृति
9. आयादि लक्षण
10. विविध वास्तुचक्र
11. वास्तुपुरुष विधान एवं मर्मस्थान
12. गृहारम्भ मुहूर्त
13. भूमि का अधिग्रहण, बलिकर्म व गर्भविन्यास
14. विविधगृह
15. मुख्यद्वार
16. गृहके समीप वृक्ष
17. भवन के विभिन्न भाग
18. द्वारवेध
19. भवन के विभिन्न कक्षों की स्थिति
20. गृहप्रवेश मुहूर्त
21. औद्योगिक वास्तु
22. देववास्तु
23. व्यावसायिकवास्तु
24. ज्योतिष, वास्तु एवं आधुनिक वास्तुशास्त्र
25. वास्तुसूत्र
26. पिरामिडशक्ति
27. फेंगशुई
28. वास्तुदोष निवारण

2. मुहूर्त चिन्तामणि– श्रीरामदैवज्ञ विरचित 50 अंक

शुभाशुभ प्रकरण से– तिथि स्वामी, तिथिसंज्ञा, सिद्धियोग, चैत्रादि मासों में शून्य तिथि, शून्य नक्षत्र, शून्य राशि, आनन्दादि अट्ठाइस योग, सर्वार्थसिद्धियोग, शुभकार्य में वर्ज्यपदार्थ, भद्राविचार, गुरु–शुक्रास्त में वर्जित कार्य सिंहस्थ गुरु में वर्ज्यावर्ज्य का विचार एवं वार प्रवृत्ति मात्र

Raj | Jai

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

नक्षत्र प्रकरण से – नक्षत्रों के स्वामी, ध्रुव–चर, उग्र, मिश्र, लघु, मृदु, तीक्ष्ण, संज्ञाक नक्षत्र एवं कृत्य, दुकान खोलने का मुहूर्त, वाहन (हाथी–घोड़ा, कार, स्कूटर आदि) खरीदने का मुहूर्त, अन्धादि नक्षत्र एवं फल, नौकरी करने का मुहूर्त, होमाहूति एवं अग्निवास ज्ञान।

संस्कार प्रकरण – सीमन्त संस्कार मुहूर्त, प्रसूति स्त्री के स्नान का मुहूर्त, जलपूजन मुहूर्त, अन्नप्रासन मुहूर्त, शुभकर्मों का विधिकाल, मुंडन मुहूर्त, अक्षराम्भ मुहूर्त, विद्यारम्भ मुहूर्त, यज्ञोपवीत मुहूर्त, गुरुशुद्धि एवं अपवाद

विवाह प्रकरण – वरवरण–कन्यावरण मुहूर्त, अष्टकुट गुण का मिलान (सारणी द्वारा) सामान्य परिचय मात्र दिन + रात्रि के मुहूर्त, अभिजितकाल निर्धारण

सहायक ग्रन्थ

1– मुहूर्त चिन्तामणि – श्रीराम देवज्ञ विरचित मास्टर बिहारीलाल समताप्रसाद, वाराणसी, प्रकाशक राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

तृतीय पत्र – जन्मपत्र निर्माण एव फलादेश के सिद्धांत

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

अवधेयम् – 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है।

1– जन्मपत्र निर्माण पद्धति 60 अंक

क–जन्मांगचक्र निर्माण प्रकार गृहस्पष्ट, भाव स्पष्ट (इंडियन एफेमेरीज या परम्परागत प्राचीन पद्धति के आधार पर) 20 अंक

ख–होरा, द्रेष्काण, सप्तमाश, नवमांश, द्वादशांश, त्रिशांश चक्र निर्माण पात्र एवं सामान्य फल कथन 20 अंक

ग–विंशोत्तरी, अष्टोत्तरी एवं योगिनी दशा, अन्तर्दशा एव प्रत्यन्तरर्दशा निर्माण 20 अंक

2– हस्तरेखा विज्ञान सम्पूर्ण गोपेश कुमार ओझा 20 अंक
द्वितीय खंड – हस्तरेखा विचार एवं चतुर्थ खंड शरीर लक्षण मात्र

3– लघुपाराशरी (महर्षि पाराशर प्रणीत) उडूदायप्रदीप योगाध्याय, आयुर्विचाराध्याय एवं दशाफलाध्याय मात्र 20 अंक

Raj Jain
Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

सहायक ग्रन्थ–

1. बृहद् भारतीय कुण्डली विज्ञान, सत्यदेवशर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्कालय, जयपुर
2. ज्योतिषसर्वस्व, पं. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन, नई दिल्ली
3. हस्तरेखाविज्ञान, ले. गोपेश कुमार ओझा, प्रकाशक–मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली
4. लघुपाराशरी समीक्षा, डॉ0 शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य प्रश्नपत्र

चतुर्थ प्रश्नपत्र– व्याकरण एवं निबन्ध

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. व्याकरण लघु सिद्धान्त कौमुदी
   1. कृत्यप्रक्रिया एवं पूर्वकृदन्त — 20 अंक
   2. तद्धित–शैषिक प्रकरणपर्यन्त — 10 अंक
   3. समास(तत्पुरुष, बहुव्रीहि, अव्ययीभाव, द्वन्द्व) — 20 अंक
   4. कारक प्रकरण सिद्धान्तकौमुदी से — 15 अंक
2. निबन्ध(संस्कृत में) — 20 अंक

   कम से कम 12 निबन्ध के विषय दिये जाने चाहिए, जिनमें से सभी वर्गों अ, ब, स, द, इ, एफ पर प्रत्येक से कम से कम दो विषयों में निबन्ध पूछा जायेगा। उनमें से विद्यार्थी को यथेष्ट एक ही विषय पर निबन्ध लिखना अपेक्षित है।
3. व्याकरण महाभाष्य(पस्पशाह्निक) — 15 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1.	कृत्यप्रक्रिया व पूर्वकृदन्त	10 पद पूछकर 5 की सिद्धि	20 अंक
2.	तद्धित	8 पद पूछकर 4 की सिद्धि	10 अंक
3.	समास	10 पद पूछकर 5 की सिद्धि	20 अंक
4.	कारक	6 सूत्रों में से 3 की सोदाहरण व्याख्या	15 अंक

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

5. महाभाष्य	दो में से एक प्रश्न	15 अंक
6. निबन्ध	प्रत्येक ग्रुप के दो दो विषयों अर्थात् 10 विषयों में से एक निबन्ध	20 अंक
कुल योग		100 अंक

सहायक पुस्तकें–

1– लघुसिद्धान्तकौमुदी – भीमसेन शास्त्री
2– लघुसिद्धान्तकौमुदी – महेशसिंह कुशवाहा
3– डॉ0 मंगलादेव शास्त्री, प्रबन्ध प्रकाश, इलाहाबाद
4– ऋषिकेश भट्टाचार्य, प्रबन्ध मंजरी
5– पं0 गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी – निबन्ध मंजरी, शारदा मंदिर, दिल्ली
6– बी0एस0 आप्टे – गाइड (संस्कृत कम्पोजीशन)
7– हंसराज अग्रवाल – प्रबन्धप्रदीप
8– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी – प्रौढरचनानुवादकौमुदी
9– डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, संस्कृत व्याकरण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
10– माधवीय धातुवृत्ति – माधवाचार्य
11 – श्री तरंगिणी – गुणरत्न महादधिः
12– डॉ0 नारायणशास्त्री कांकर – व्याकरण साहित्य, अजमेरा बुक कं0, जयपुर
13– कारकदीपिका – श्री मोहनबल्लभ पंत, रामनारायणलाल बेनीमाधव, प्रयाग

निम्नलिखित शोध–पत्रिकाएं भी पठनार्थ अनुमोदित है–

1– सागरिका – संस्कृत विभाग, सागर विश्वविद्यालय, सागर
2– संस्कृतप्रतिभा – साहित्य अकादमी, दिल्ली
3– सारस्वतीसुषमा – वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
4– भारती (मासिक), भारती कार्यालय, जयपुर
5– स्वरमंगला (त्रैमासिक), राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
6– मागधम् – एच0डी0 जैन कालेज, मगध विश्वविद्यालय, आरा, बिहार

पंचम प्रश्नपत्र – प्राचीन संस्कृत साहित्य

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

प्राचीन संस्कृत साहित्य

1– विक्रमांकदेवचरितम् (प्रथम सर्ग) – बिल्हण 20 अंक

2– अर्थशास्त्र (कौटिल्य) विनयाधिकरण से प्रथम व तृतीय अधिकरण 20 अंक

3– शिशुपालवध प्रथम सर्ग – माघ 20 अंक

4– बुद्धचरित अश्वघोष (तृतीय सर्ग) 20 अंक

5– सामान्य प्रश्न 20 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1– विक्रमांकदेवचरितम्	चार श्लोकों में से दो की व्याख्या जिनमें से एक संस्कृत में	20 अंक (10+10)
2– अर्थशास्त्र (कौटिल्य)	चार श्लोकों में से दो की व्याख्या	20 अंक (10+10)
3– शिशुपालवध	चार श्लोकों में से दो की व्याख्या जिनमें से एक संस्कृत में	20 अंक (10+10)
4– बुद्धचरित	चार श्लोकों में से दो की व्याख्या	20 अंक (10+10)
5– उपर्युक्त 1 व 2 में से सामान्य प्रश्न	दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर	10 अंक
6– उपर्युक्त 3 व 4 में से सामान्य प्रश्न	दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर	10 अंक
	कुल योग	100 अंक

सहायक पुस्तकें–

1– विक्रमांकदेवचरित (प्रथम सर्ग), साहित्य निकेतन, कानपुर

2– शिशुपालवध – मल्लिनाथकृत 'सर्वंकषा' व्याख्या श्रीहरगोविन्द शास्त्री कृत मणिप्रभद हिन्दी व्याख्या सहित

3– बुद्धचरित– अश्वघोष चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

4– अर्थशास्त्र (कौटिल्य) चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

अथवा

Raj | Jais

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

आधुनिक संस्कृत साहित्य

1– विवेकानन्दविजयम् – डॉ0 श्रीधरभास्कर वर्णेकर 35 अंक

क– नाटक के अंशों की व्याख्या हेतु – 25 अंक

ख– आलोचनात्मक प्रश्न – 10 अंक

2– कथानकवल्ली – श्री कलानाथ शास्त्री (राजस्थान संस्कृत अकादमी प्रकाशन, जयपुर 25अंक

क) व्याख्या – 15 अंक

ख) समालोचनात्मक प्रश्न – 10 अंक

3– (1)मधुश्च्छन्दा डॉ हरीराम आचार्य 15 अंक
चार में से दो व्याख्या

(2)पद्मिनि –पण्डित मोहन लाल शर्मा पाण्डेय 10 अंक
दो में से एक समालोचनात्मक प्रश्न

4 राजस्थान के आधुनिक संस्कृत विद्वान् (गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, भट्ट मथुरानाथ शास्त्री, पं. मधुसूदन ओझा, मोतीलाल शास्त्री, ब्रह्मानन्द शम्र, पद्म शास्त्री, कलानाथ शास्त्री, प्रभाकर शास्त्री, हरिराम आचार्य, नवलकिशोर कांकर, आचार्य रामचन्द्र द्विवेदी, डॉ. चन्द्रकिशोर गोस्वामी, डॉ. गंगाधर भट्ट) व्यक्तित्व व कृतित्व संबधी चार में से दो प्रश्न अपेक्षित हैं। 15 अंक

कुल अंक 100 अंक

सहायक पुस्तकें–

1. विवेकानन्द विजयम् – श्री भास्कर वर्णेकर
2. मधुच्छन्दा – डॉ हरिराम आचार्य, जगदीश पुस्तक भण्डार, जयपुर
3. कथानकवल्ली– डॉ कलानाथ शास्त्री
4. पदमिनी – मोहन लाल शर्मा पाण्डेय, राजस्थान संस्कृत अकादमी जयपुर
5. आधुनिक राजस्थान के संस्कृत का इतिहास, राजस्थान संस्कृत अकादमी जयपुर

अथवा

लघुशोधप्रबन्ध – नियम यथावत

Raj Jain
Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur